L 55
IMPERIAL LIBRARY

373

# অভিধান।

## অ

| | |
|---|---|
| অনুরাগ | প্রতিষ্ঠা। সুখ্যাতি |
| অ[illegible]াধী | পাপ। ঘাইট |
| অজর | নির্ব্যাধি। অরোগী |
| অমর | না মরে যে |
| অ[illegible]াশী | নষ্ট না হয় যে |
| অনুগৃহীত | অনুগ্রহকৃত |
| অনুষ্ঠান | আরম্ভ |
| অপকার | ক্ষতি করা। মন্দ করা |
| অপূরণ | অসমাপ্ত। শেষ থাকা |
| অনিষ্টাচরণ | মন্দ চেষ্টা। ভাল না করণ |
| অভব্য | অশিষ্ট |
| অনির্ব্বন্ধতা | অনিয়ম। অস্থিরতা |
| অলীক | ব্যর্থ। মিথ্যা |
| অধৈর্য্য | [illegible]। [illegible]স্থির |
| অজ্ঞতা | অজ্ঞানতা। মূর্খতা |
| অনুপম | অতুল্য। অসদৃশ। উপমাশূন্য |
| অনিষ্টকর | মন্দকারী। ক্ষতি করে যে |
| অব্রুবাণ | বাক্যরহিত শিশু |
| অবৈধ | বিধিরহিত |

L 55

IMPERIAL LIBRARY

373

# অভিধান।

## অ

| | |
|---|---|
| অনুরাগ | প্রতিষ্ঠা। সুখ্যাতি |
| অপরাধী | পাপ। ঘাইট |
| অজর | নির্ব্যাধি। অরোগী |
| অমর | না মরে যে |
| অবিনাশী | নষ্ট না হয় যে |
| অনুগৃহীত | অনুগ্রহকৃত |
| অনুষ্ঠান | আরম্ভ |
| অপকার | ক্ষতি করা। মন্দ করা |
| অপূরণ | অসমাপ্ত। শেষ থাকা |
| অনিষ্টাচরণ | মন্দ চেষ্টা। ভাল না করণ |
| অভব্য | অশিষ্ট |
| অনির্ব্বন্ধতা | অনিয়ম। অস্থিরতা |
| অলীক | ব্যর্থ। মিথ্যা |
| অধৈর্য্য | অসম্বরণ। অস্থির |
| অজ্ঞতা | অজ্ঞানতা। মূর্খতা |
| অনুপম | অতুল্য। অসদৃশ। উপমাশূন্য |
| অনিষ্টকর | মন্দকারী। ক্ষতি করে যে |
| অবোধ | বাক্যরহিত শিশু |
| অবৈধ | বিধিরহিত |

| | |
|---|---|
| অঙ্গীভূত | অবয়ব |
| অপরুদ্ধ | লজ্জিত। লজ্জান্বিত। অপ্রতিভ |
| অমোঘ | অব্যর্থ। ঠিক |
| অবজ্ঞা | অশ্রদ্ধা। অভক্তি |
| অসাধারণ | বিশেষ |
| অসমাধান | অমনোযোগ। মন না দেওন |
| অভিমত | সম্মত |
| অপবিত্র | অশুদ্ধ |
| অসার্থক | বিফল |
| অনাস্বাদু | আস্বাদনরহিত |
| অভ্যুদয় | মঙ্গল। কল্যাণ |
| অপত্রপ | নির্লজ্জ |
| অনুবাদ | পুনরুক্তি |
| অপরূপ | আশ্চর্য্য। চমৎকার |
| অপহার | অপহ্নব। অপলাপ |
| অনুলিপ্ত | পশ্চাল্লেপযুক্ত। নিযুক্ত |
| অনুসার | [illegible]। ক্রম |
| অভাব্য | অচিন্ত্য। ভাবনার অবিষয় |
| অসম্মতি | অস্বীকার |
| অভিষিক্ত | নিযুক্ত। রাজ্যে নিযুক্ত করা |
| অপেক্ষা | হইতে। চাহিয়া। নিমিত্ত |
| অস্থিমান | অস্থিযুক্ত |
| অন্বেষণ | চেষ্টা। তত্ত্ব |

| | |
|---|---|
| অনুভব | জ্ঞান। স্থির |
| অলঙ্ঘিতব্য | অটল |
| অনায়াস | চেষ্টাশূন্য |
| অনুমান | আন্দাজ |
| অন্তরা | মধ্য |
| অবয়ব | হস্ত পদাদি। এক দেশ |
| অশক্ত | শক্তিরহিত। অকঠিন |
| অনুধাবন | পশ্চাৎ২ গমন। মনোযোগ |
| অদ্য | বর্ত্তমান দিবস |
| অপকার্য্য | যাহাকে অপকার করা যায় |
| অবতীর্ণ | আবির্ভাব |
| অব্যক্ত | অস্পষ্ট। অপ্রকাশ |
| অটল | অচল। অলড় |
| অকস্মাৎ | হঠাৎ। দৈবাৎ |
| অধ্যায় | পরিচ্ছেদ। পুস্তকের অংশ |
| অস্পষ্ট | অপ্রকাশ |
| অধীন | বশ |
| অভিমত | বাঞ্ছিত |
| অঙ্গীকার | স্বীকার |
| অসম্ভব | আশ্চর্য্য |
| অনিষিদ্ধ | বিহিত |
| অনুপম | অতুল্য। অসদৃশ |
| অক্ষৌহিণী | সেনা |

| | |
|---|---|
| অসদৃশ | অতুল্য। অসমান |
| অধ্যাপক | পণ্ডিত। শিক্ষক |
| অবধারণ | নিশ্চয়। নির্ণয়। স্থির করা |
| অবশেষ | শেষ। সমাপ্ত |
| অধ্যক্ষ | কর্ত্তা। মালিক |
| অবস্থান | অবস্থিতি। থাকা |
| অবশিষ্ট | শেষ। বাকি |
| অশ্রুপাত | চক্ষুর জল পড়া |
| অবগত | জ্ঞাত। জানা |
| অবকাশ | ফুরসুত |
| অপহ্নব | লুকান |
| অপযশী | অখ্যাতিযুক্ত |
| অনুসন্ধান | তল্লাস করা |
| অপব্যয় | মিথ্যা খরচ |
| অধিকারী | যোগ্য। স্বামী |
| অনির্ব্বাহ | অনিষ্পত্তি |
| অধঃপাত | অধোগমন। নরক গমন |
| অভিমান | অহঙ্কার |
| অরক্ষণীয় | রাখা যায় না |
| অশোকাকুল | শোকরহিত |
| অশেষরূপ | নানারূপ। সমগ্র রূপ |
| অশোচনীয় | শোকের অবিষয় |
| অসাধনীয় | সাধনের অবিষয় |

| | |
|---|---|
| অমূল্যদ্রব্য | মূল্যরহিত দ্রব্য |
| অসংঘটিত | অমিলিত |
| অসহ্যবাক্য | অসহনীয় বাক্য। শক্ত কথা |
| অতুষ্টিকর | সন্তোষ না জন্মায় |
| অগ্নিস্তম্ভ | আগুন দ্বারা |
| অপরাধক্ষমা | পাপ মোচন করা |
| অন্যথা | অন্য প্রকার |
| অভ্যাস | শিক্ষা |
| অতিবৃদ্ধ | অতিশয় প্রাচীন লোক |
| অন্যত্র | অন্য স্থানে |
| অভরণ | অলঙ্কার |
| অধোদৃষ্টি | নাব দেখা |
| অহিংসা | অবিনাশ |
| অপরাধী | কৃতাপরাধ |
| অসাধ্য | অনিষ্পাদ্য |
| অচল | অটল। অলড় |
| অতি শিশু | অতি বালক |
| অর্থান্তর | দ্বিতীয় অর্থ। দোসরা অর্থ |
| অধোগামী | নীচগামী |
| অধ্যুপবিষ্ট | অনুপ্বিত। বৈসে থাকা |
| অপ্রত্যয়ী | অবিশ্বস্ত |
| অপ্রাকৃত | অযথার্থ |
| অনাকাঙ্ক্ষী | আকাঙ্ক্ষাশূন্য |

| | |
|---|---|
| অভিশপ্ত | শাপগ্রস্ত |
| অভিসন্ধি | মনোযোগ। তল্লাস |
| অভদ্র | অমঙ্গল |
| অকল্পিত | কল্পনা না করা |
| অভিত | চারি দিগে |
| অবীর | ওষ্ঠাবির |
| অনুচর | অনুগামী |
| অধীনীকৃত | বশীকৃত |
| অভাবনীয় | চিন্তার অবিষয় |

আ

| | |
|---|---|
| আরোপিত | রচিত। কল্পিত |
| আরাধ্য | পূজ্য। মান্য |
| আকাঙ্ক্ষা | ইচ্ছা |
| আধার | আশয় |
| আত্মাধিকারী | প্রাণাধিকারী |
| আকর্ষিত | সম্যক্ কর্ষিত। টেন্যা আনা |
| আমূল | প্রথম। গোড়া |
| আকাঙ্ক্ষিত | বাঞ্ছিত। যাহা ইচ্ছা করা যায় |
| আত্যন্তিক | মর্ম্মান্তিক। অতিশয় |
| আকিঞ্চন | যত্ন। চেষ্টা |
| আক্রোশ | দ্বেষ। রাগ |
| আর্ত্ত | পীড়িত। দুঃখিত |

অভিধান।—

| | |
|---|---|
| আহরণ | আয়োজন। উপস্থিতকরণ |
| আশয় | অভিপ্রায় |
| অমাত্যবর্গ | বন্ধুসমূহ |
| আহ্লাদ | আনন্দ। খুসি |
| আহ্বান | সম্বর্দ্ধন। সম্মান |
| আপত্তি | আপৎ। বিপৎ |
| আজ্ঞোল্লঙ্ঘন | আজ্ঞা না মানন |
| আত্মম্ভরি | আপন সারা |
| আকর | উৎপত্তিস্থান |
| আগন্তুক | আগামী |
| আহারার্থী | ভোজনার্থী |
| আকুল | ব্যাকুল |
| আহিত | গৃহীত। গ্রহণ করা |
| আলোচনা | বিবেচনা |
| আরোহণ | সওয়ার। চড়ন |
| আরণ্যক | বন। বুন |
| আবরণ | ঢাকন |
| আকর্ষণ | টানন |
| আন্দোলন | দোলনা করা। ইৎফাক কর |
| আপ্যায়িত | তৃপ্ত। আহ্লাদিত |
| আত্মাভিমানী | অহঙ্কারী |
| আকারবিশিষ্ট | আকারযুক্ত |
| আত্মকর্ত্তৃক | প্রাণকর্ত্তৃক। আপনকর্ত্তৃক |

| | |
|---|---|
| আত্মাপমান | আপনার অসম্ভ্রম |
| আপদ্গ্রস্ত | উৎপাতপ্রাপ্ত |
| আত্মপ্রশংসা | আপন সুখ্যাতি করা |
| আত্মদায়ী | প্রাণদায়ী |
| আনুকূল্যকরণ | ভাল করিবার চেষ্টা |
| আত্মদুর্গতি | আপন দুঃখ |
| আলিঙ্গন | কোল দেওয়া |
| আন্তরিকদ্বেষ | অন্তরে ক্রোধ |
| আত্মীয় | আপনার |
| আনুমানিক | অনুমানকৃত। আন্দাজ করা |
| আতঙ্ক | ত্রাস। ভয় |

ই

| | |
|---|---|
| ইতর | ভিন্ন। অন্য |
| ইষ্ট | অভিলষিত। বাঞ্ছিত |
| ইচ্ছা | অভিলাষ |
| ইতিহাস | গল্প |
| ইঙ্গিত | ইষারা |
| ইয়ত্তা | সীমা |
| ইষ্টক | ইট |
| ইচ্ছু | ইচ্ছাকর্ত্তা |

ঈ

| | |
|---|---|
| ঈর্ষা | অক্ষমা। ক্রোধ |

ঔ

| | |
|---|---|
| উদ্দেশ | অনুসন্ধান। তল্লাস |
| উদ্ভব | উৎপত্তি। প্রকাশ |
| উপদ্রব | দৌরাত্ম্য |
| উৎপন্ন | জন্মান |
| উদ্যান | উপবন। ফুলের বাগান |
| উত্তপ্ত | উষ্ণ। তাপযুক্ত |
| উপবিষ্ট | বসা |
| উপভোগ | ভোগকরা |
| উপগত | প্রাপ্ত |
| উল্লাসিত | আহ্লাদিত |
| উষ্মান্বিত | রাগী। ক্রোধযুক্ত |
| উৎকৃষ্টপদ | উত্তম স্থান |
| উৎসর্গকরণ | ঈশ্বরকে দান |
| উপস্থিত | আগত। তয়ার |
| উদ্বন্ধন | ফাঁসি দেওয়া |
| উপার্জন | ধনোপায় |
| উদ্বেগ | ভাবনা। চিন্তা |
| উদ্যম | প্রথম। আরম্ভ |
| উদ্ঘাটন | উদ্ঘাটন। টেনো ফেলা |
| উদ্ধীকৃত | উর্দ্ধীকৃত। উদ্ধকরণ |
| উড্ডীয়মান | ওড়ে যাওয়া |

| | |
|---|---|
| উগ্রস্বভাব | দুরন্ত |
| উৎসাহ | আনন্দ। খুসি |
| উত্থাপন | উঠান |
| উদ্যাপন | সমাপ্ত। শেষ। সায় |
| উপযম | বিবাহ |
| উপনীত | উপস্থিত |
| উপদ্বীপ | দ্বীপের সমীপ। ছোট দ্বীপ |
| উপরোধ | অনুরোধ |
| উপযুক্ত | কর্ম্মোপযুক্ত। যোগ্য। পারক |
| উপকার | ভাল করা |
| উপরিস্থ | ঊর্দ্ধস্থায়ী. উপরে থাকে যে |
| উপক্রম | আরম্ভ |
| উপাধি | খ্যাতি।-নাম |
| উপাখ্যান | কথাপ্রসঙ্গ। প্রস্তাব |
| উপায় | অর্জ্জন। রোজকার। ফিকির |
| উপাস্য | উপাসনার বিষয় |
| উলঙ্গ | লেঙ্গটা |
| উৎপাদক | জনক। কারণ |
| উত্ত্যক্ত | ত্যাগ করা |
| উদয় | প্রকাশ |

ঋ

| | |
|---|---|
| ঋণ | কর্জ্জ |
| ঋতু | বসন্তাদি কাল |

| | |
|---|---|
| ঋজুতা | সরলতা |
| | এ |
| একাঙ্গ | একশরীর |
| একত্র | একস্থানে |
| একাকী | অসহায়ী। একলা |
| একতা | ঐক্য। মিল |
| এতাদৃশ | এমত |
| একান্তচিত্ত | স্থিরমন। অটল মন |
| | ঐ |
| ঐশ্বর্য্য | ধন। সম্পত্তি |
| ঐচ্ছুক | ইচ্ছাকর্ত্তা |
| | ও |
| ওষধি | ঔষধ |
| ঔরস | পুত্র |
| ঔৎকর্ষ | উৎকর্ষতা। শ্রেষ্ঠতা |
| | ক |
| কপট | ছল |
| কৃতঘ্নতা | অতিপাপী। নিমকহারাম |
| কুঞ্জ | বন। জঙ্গল |
| কটি | কোমর |
| কাঠিন্য | কঠিনতা। শক্ত |
| কটিবন্ধ | কোমরবন্ধন |
| কর্ত্তব্য | করার বিষয় |

| | |
|---|---|
| কুপথ | কুৎসিত পথ |
| কদাচিৎ | কখন। কোনকালে |
| ক্রুদ্ধ | ক্রোধযুক্ত |
| কুশীলা | কুৎসিতস্বভাবা |
| কষ্টসাধ্য | ক্লেশসাধ্য |
| কার্য্যকারক | কর্ম্মকর্ত্তা |
| করণ | দ্বারা |
| কর্তৃত্ব | স্বামিত্ব। প্রভুত্ব |
| কলঙ্ক | অপযশ। দুর্নাম |
| কৃতার্থ | কৃতকর্ম্ম। উদ্ধার |
| কুঞ্জর | হস্তী |
| কদর্য্যভুক্ | মন্দভোক্তা |
| কৃতোপকারী | প্রত্যুপকারী |
| কদাচার | মন্দাচার |
| কুমন্ত্রী | কুপরামর্শদায়ক |
| কুতর্ক | মন্দচেষ্টা |
| কেশর | পুষ্পের রেণু |
| কুসুমাকীর্ণ | পুষ্পেতে বেষ্টিত |
| কুরব | কুৎসিত শব্দ |
| কলঙ্কিনী | কলঙ্কযুক্তা |
| কুৎসা | নিন্দা |
| কুমুদিনী | কুমুদ পুষ্প |
| কজ্জল | কাজল |

| | |
|---|---|
| করুণা | দয়া |
| কৃপণ | ব্যয়কুণ্ঠ |
| ক্লান্ত | শ্রান্ত। শ্রমযুক্ত |
| কুরঙ্গ | হরিণ |
| ক্রমিক | অনবরত। সর্ব্বদা |
| কাপুরুষ | অক্ষম |
| কুটীর | কুঁড়ে |
| কোটি | পূর্ব্বপক্ষ |
| ক্বণৎ | শব্দবিশেষকর্ত্তা |
| কটুভাষী | মন্দবক্তা |
| কুল | আদিপুরুষ। ধারা |
| ক্রোধমুখ | রাগান্বিতমুখ |
| কুল্যা | ছোট নদী |
| কাতরোক্তি | কাতরবাক্য |
| কঠোর | কঠিন |
| কুকর্ত্তা | মন্দকর্ত্তা |
| কাল্পনিক | কল্পনাকারী। বানান |
| কুশীলতা | মন্দস্বভাব |
| করগ্রাহক | করগ্রহণকর্ত্তা। রাজা |
| কুবাৎসল্য | নির্ম্মমত্ব। স্নেহরহিত |
| কুজ্ঞানশালী | কুৎসিত জ্ঞানযুক্ত |
| কীর্ত্তিবাক্য শ্রবণ | যশোবাক্য শ্রবণ |
| কুকর্ণ | মন্দকর্ণ |

| | |
|---|---|
| কমল | পদ্মপুষ্প |
| কেশরী | সিংহ |
| কমঠ | কচ্ছপ |
| কোরক | কলিকা। ফুলের কুঁড়ি |
| কৈবল্য | মুক্তি |
| কানন | বন। জঙ্গল |
| কণ্টক | কাঁটা |
| খ | |
| খেচর | আকাশে গমনকর্ত্তা |
| খণ্ড | দ্বিখণ্ডিকরণ। কুচিং |
| খ্যাত | প্রসিদ্ধ |
| খঞ্জন | পক্ষিবিশেষ |
| খনন | খোঁড়া |
| খোদকারী | স্বয়ংকারী। শিল্পকর্ম্ম |
| | গ |
| গোলাকৃতি | গোলশরীর |
| গরিমা | অহঙ্কার |
| গুনবোদ্ধা | গুনগ্রাহক |
| গুনগ্রাহী | গুনগ্রহনকর্ত্তা |
| গ্লানি | নিন্দা। মানহানি |
| গৌরব | মাহাত্ম্য |
| গূঢ় | অদৃশ্য। গোপনীয় |
| গর্ব্বিত | অহঙ্কৃত |

| | |
|---|---|
| গুণ | বিদ্যাদি গুণ |
| গরল | বিষ |
| গবাক্ষ | জানালা |
| গোধুক্‌ | গোদোহনকর্ত্তা |
| গোবিট্‌ | গোময় |
| গর্জ্জিত | শব্দিত |
| গর্হিত | নিন্দিত। নিন্দাযুক্ত |
| গহন | বন। জঙ্গল |
| গর্দ্দভ | গাধা |
| গোপালক | গোরক্ষাকর্ত্তা |
| গঞ্জনা | অনুযোগ। তিরস্কার |
| গহ্বর | গর্ত্ত |
| গুণোৎকীর্ত্তন | গুণকথন |
| গদ্গদস্বর | অব্যক্তশব্দ |
| গাম্ভীর্য্য | ধৈর্য্যশালী। প্রগাঢ়। ভারি |
| গ্রহণ | স্বীকার |
| গণক | দৈবক। গণে যে |
| গর্ভবতী | অন্তরাপত্যযুক্তা |
| গর্ব্বঘাতী | অহঙ্কারহন্তা |

ঘ

| | |
|---|---|
| ঘৃণা | ন্যাক্কার |
| ঘৃষ্টি | শূকর। শুয়ার |
| ঘর্ষিত | ঘর্ষণ। ঘষা |

| | |
|---|---|
| ঘোষণা | অনুশীলন। চালনা |
| ঘোটক | অশ্ব। ঘোড়া |
| ঘটিকা | ঘড়ী |
| ঘন্টিকা | ছোটঘণ্টা |
| ঘটিত | মিলিত। প্রাপ্ত |
| ঘাতক | নাশক। বিনাশকর্ত্তা |
| ঘূর্ণিত | ভ্রমণ। ঘুরান |
| ঘন | মেঘ। নিবিড় |
| ঘৃণিত | ঘৃণাকৃত। তুচ্ছকৃত। হেয়কৃত |
| | চ |
| চিত্তবিভ্রম | মনের ভুল। ভুলে যাওয়া |
| চন্দ্রিকা | জ্যোৎস্না |
| চমকিত | চমকে ওঠা |
| চঞ্চল | চপল। অস্থির |
| চাতুর্য্য | চতুরতা। শঠতা |
| চীৎকার | উচ্চৈঃশব্দ। চেঁচান |
| চৌর্য্য | চুরি |
| চূর্ণ | গুঁড়া |
| চিন্তা | ভাবনা। উদ্বেগ |
| চিত্ত | জ্ঞান |
| চিহ্ন | নিশানা। দাগ |
| চন্দ্রকান্ত | মনি। এক প্রকার পাথর |
| চক্রাকৃতি | গোলশরীর। চক্রের ন্যায় শরীর |

| | |
|---|---|
| চয়ন | আয়োজন |
| চক্ষুঃসংযোগ | দৃষ্টিপাত |
| চণ্ড | অত্যন্তরাগী। বড় ক্রোধী |
| চরণ | পাদ। পা |
| চরম | অন্ত। শেষ |
| চতুর্থ | চারের পূরণ |
| চকোর | পক্ষীবিশেষ |
| চণক | ছোলা। বুট |
| চটক | চড়ুই পাখি |
| চর্ব্য | চর্ব্বণযোগ্য। চিবাইবার |
| চর্চ্চা | আলোচনা |
| চোষ্য | চোষণযোগ্য। চুষিবার |
| চন্দন | কাষ্ঠ চন্দন |
| চিক্কণ | চিকন। সুন্দর |
| চিরায়ু | অধিককাল পরমায়ু |
| চর্য্যা | রীতি। ধারা |
| চিত্রিত | চিত্র করা |
| চিকিৎসা | রোগপ্রতিকার |
| চাতুরী | প্রবঞ্চনা |
| | ছ |
| ছন্ন | আচ্ছন্ন। ঢাকা |
| | জ |

| | |
|---|---|
| ছেদক | ছেদনকর্ত্তা |
| ছলনা | প্রতারণা। ভাঁড়ান |
| ছেদন | দ্বিধাকরণ |
| ছত্র | ছাতা |
| ছর্দ্দি | বমি। ন্যাকার |
| ছুরিকা | অস্ত্র। ছুরি |
| ছাত্র | শিষ্য। পোড়ুয়া |
| ছাড়ন | ত্যাগ করণ |
| ছটা | দীপ্তি। শোভা |
| ছন্দ | শ্লোকের ছন্দ। ছাঁদ |
| জ | |
| জীবিতাশা | জীবনেচ্ছা। বাঁচিতে ইচ্ছা |
| জলপ্লাবন | জলাকীর্ণ। জলে ভাসা |
| জাগ্রদ্দশা | অনিদ্রাবস্থা |
| জাতিভ্রষ্ট | জাতিরহিত। জাতি যাওয়া |
| জীবন | বাঁচন |
| জগৎ | পৃথিবী। ভুবন |
| জীব | প্রাণী |
| জিজ্ঞাসিত | জ্ঞানেচ্ছা। জানিতে ইচ্ছা |
| জড়তা | বাক্যের অপটুতা |
| জ্যোতিস্ | তেজ। দীপ্ত। গণিতশাস্ত্র |
| জগত্তারক | জগদুদ্ধারকর্ত্তা |
| জীবনঘাতী | প্রাণহন্তা |

| | |
|---|---|
| জাজ্বল্যমান | অতিশয় তেজস্বী |
| জ্বরা | জীর্ণতা |
| জানু | ঊরু। হাঁটু |
| জনু | উৎপত্তি। জন্ম |
| জ্যোৎস্না | চন্দ্রের আলো |
| জ্বলনীয় | জ্বলনযোগ্য |
| জিরণ | আরাম |
| জিহাসা | ত্যাগেচ্ছা |
| জুটিকা | ঝুঁটি |
| জটা | বিনান কেশ। গাছের জটা |
| জীরক | জিরা |
| জগদ্দুর্লভ | জগতের দুষ্প্রাপ্য |
| জলজ | জলজাত। জলে জন্মে যে |
| জনক | উৎপাদক। পিতা |
| জীবনপর্য্যন্ত | জীবনাবধি |
| জেতব্য | জয়ের বিষয় |
| জ্বালা | উত্তাপ। দাহ |

ঝ

| | |
|---|---|
| ঝঞ্ঝা | বাজ। ঠিকর |
| ঝোরা | খাল |
| ঝটকা | ঝড় |
| ঝনৎকার | শব্দবিশেষ |
| ঝিল্লী | ঝিঞ্জী |

| | |
|---|---|
| ঝটিতি | শীঘ্র |
| **ত** | |
| ত্যাগ | ছাড়ন |
| তত্ত্ব | তল্লাস। অনুসন্ধান |
| তোষক বলি | তুষ্টিকর পূজার দ্রব্য |
| তৃষার্ত্ত লোক | তৃষ্ণান্বিত। পিপাসাযুক্ত |
| তরলতা | তারল্য। পাতল |
| তত্ত্বজ্ঞানী | যথার্থজ্ঞানবান্ |
| তাচ্ছল্য | হেয়তা। তুচ্ছ করা |
| তুলনা | সাদৃশ্য |
| তাদৃক্ | তাদৃশ। তার ন্যায় |
| ত্রাণ | রক্ষা |
| ত্যাজ্য | ত্যাগযোগ্য। যাহা ত্যাগ করা যায় |
| তরঙ্গ | ঢেউ |
| তাৎপর্য্য | অভিপ্রায় |
| তৃপ্ত | তুষ্টিজনন |
| তারাপতি | চন্দ্র |
| তনীয়ান্ | অতিসূক্ষ্ম |
| তীক্ষ্ম | তীক্ষ্ন |
| তূর্ণ | শীঘ্র |
| ত্রিধা | তিন প্রকার |
| তরণি | নৌকা |
| তটস্থ | তীরস্থ। ব্যস্ত |

IMPERIAL

| | |
|---|---|
| তীব্র | গাঢ়। শক্ত |
| তৃণ | ঘাস |
| তারক | নিস্তারক। উদ্ধারকর্ত্তা |
| ত্রৈলোক্য | ত্রিভুবন |
| ত্রিকাল | ভূত ভবিষ্যৎ বর্ত্তমান |
| তনুজ | পুত্র |
| তপস্বী | তপস্যাযুক্ত |
| তন্তু | সুত্র |
| তক্ষক | সর্পবিশেষ |
| তিতিক্ষা | বিবেক। ধিক্কার |
| ত্বরা | শীঘ্র |
| তোষণ | তুষ্টিজনক |
| তামসী | রাত্রি |
| তম | অন্ধকার |
| ত্রিবিধ | তিন প্রকার |
| তরণ | নিস্তার। উদ্ধার |
| তেজস্কর | বীর্য্যকারক |
| তৃপ্তিজনক | তৃপ্তির উৎপাদক |

দ

| | |
|---|---|
| দুর্দশা | দুরবস্থা। দুঃসময় |
| দমন | দণ্ডকরা। সাজা |
| দেশীয়লোক | দেশের লোক |
| দস্যু | শত্রু। দুষ্ট লোক |

| | |
|---|---|
| দংষ্ট্র | দশন। দন্ত। দাঁত |
| দীন | দুঃখী। দরিদ্র |
| দনুজ | অসুর |
| দ্বেষ্য | হিংসাপ্রাপ্ত |
| দৌর্ভাগ্য | দুরদৃষ্ট |
| দাস্য | ভৃত্যতা |
| দান্ত | দমন |
| দন্তী | হস্তী। হাতী |
| দর্পিত | অহঙ্কৃত |
| দেহান্তর | শরীরান্তর। ভিন্নশরীর |
| দৃষ্টান্ত | তুলনা। সাক্ষী |
| দর্শন | দেখা |
| দুর্ম্মতি | কুমতি। মন্দমতি |
| দীপক | আলোজনক |
| দত্তক | দেওয়া পুত্র |
| দীর্ঘতা | লম্বা |
| দুর্ব্বল | ক্ষীণবল |
| দুরবস্থাপন্ন | দুর্দ্দশাপন্ন |
| দ্বেষক | দ্বেষকর্ত্তা। নিন্দাকর্ত্তা |
| দুষ্কৃতিজন্য | পাপজন্য |
| দুর্ব্বলমনা | ক্ষীণমনা। ক্ষীণান্তঃকরণ |
| দীর্ঘসূত্রতা | চিরক্রিয়া। চিরকাল কর্ম্ম করা |
| দ্বারপাল | দ্বাররক্ষক। দ্বারী |

| | |
|---|---|
| দ্বৈতবাদী | উভয়বাদী। উভয় মানে যে |
| দুস্তর | দুষ্পার। দুর্গম |
| দোষোল্লাস | দোষকথন। মন্দকহন |
| দৈহিক | দেহ সম্বন্ধি। শরীরস্থ |
| দার্ঢ্য | দৃঢ়তা। কঠিনতা |
| দরিদ্রতা | নির্ধন। গরীব |
| দুর্ভিক্ষ | মাহার্ঘ্য। মন্বন্তর |
| দ্বিতীয় | দুইয়ের পুরণ |
| দৃষ্টি | দর্শন। দেখা |
| দূত | চর |
| দ্রাক্ষা | কিচমীচ |
| দলন | পেষণ। পেষা |
| দোর্দণ্ড | প্রবল প্রতাপ |
| দোষী | দোষযুক্ত |
| দৃশ্য | দর্শনীয় |
| দণ্ডায়মান | দাঁড়াইয়া থাকে |
| দুর্দান্ত | অশিষ্ট। দুরন্ত |
| দুঃশীল | মন্দস্বভাব |

ধ

| | |
|---|---|
| ধরণী | পৃথিবী |
| ধূর্ত্ততা | চাতুর্য্য। শঠতা |
| ধৈর্য্য | ধারণ |
| ধীর | পণ্ডিত। শান্ত |

| | |
|---|---|
| ধূলা | ধূলা |
| ধীমান্ | বুদ্ধিমান্। মতিমান্ |
| ধমনী | নাড়ী |
| ধূমব্যাপী | ধূমময়। ধূঁয়াতে ঘেরা |
| ধরাধর | পর্ব্বত |
| ধূনন | কম্পন |
| ধাবমান | দ্রুতগমনকর্ত্তা |
| ধুস্তুর | ধুতুরা ফুল |
| ধূসর | ধূলায় ভূষিত |
| ধন্যবাদ | সাধুবাদ |
| ধর্ম্মাত্মা | পুণ্যশীল |
| ধ্রুব | নিশ্চয় |
| নিয়োগ | নিযুক্ত। করা |
| নিরঞ্জন | অব্যক্ত। অপ্রকাশ |
| নিষ্কল | নিরবয়ব। নিরাকার |
| নামান্তর | ভিন্ননাম |
| ন্যক্কার্য্য | ঘৃণার বিষয়। তুচ্ছকরা |
| নাস্তিক | বুদ্ধ। ঈশ্বর না মানে যে |
| নিয়ন্তা | নিয়মকর্ত্তা |
| নির্ব্বিকল্প | সংশয়শূন্য |
| নরকার্ণব | নরকসাগর |
| নির্ম্মায়িক | মায়াশূন্য |
| নিদর্শন | দৃষ্টান্ত। সাক্ষী |

| | |
|---|---|
| নিদান | আদি কারণ |
| নিবিড় | গাঢ়। অতিশয় |
| নিধন | মরণ |
| নিশ্চয় | স্থির। ঠিক |
| নম্র | শিষ্ট। শান্ত |
| ন্যূন | অল্প। কম |
| নব | নূতন |
| নিগ্রহভাগী | দুঃখভাগী |
| নিরীক্ষণ | দর্শন। দেখা |
| নিয়োজিত | নিযুক্ত করা |
| নির্গত | নিঃসরণ। বহির্গমন |
| নির্দ্ধারিত | নিশ্চিত। স্থিরীকরণ |
| নিয়মিত | প্রতিজ্ঞাকৃত |
| নিরালস্য | আলস্যশূন্য |
| নৈয়ত্য | নিয়ত। সর্ব্বদা |
| নৈবেদ্য | নিবেদনের দ্রব্য |
| নির্ম্মাণ | গঠন। বানান |
| নীরব | বাক্যরহিত। চুপ করা |
| নিস্তার | উদ্ধার। ত্রাণ। মুক্তি |
| নিষেধ | অবিহিত। মানা করা |
| নিঃশেষ | শেষরহিত। সমুদায় |
| নিঃসরণ | নির্গত। বারণ |

| | |
|---|---|
| নির্ঘোষ | নিঃশব্দ |
| নিরম্য | অসুন্দর। মন্দ |
| নিষ্পন্ন | সম্পন্ন। সমাপ্ত |
| নির্দ্দয় | নিষ্ঠুর। দয়াশূন্য |
| নরাধম | কাপুরুষ। অধম মানুষ |
| নিঃসৃত | বহির্গত |
| নিষ্ঠা | নিষ্পত্তি। শ্রদ্ধা |
| নির্ণয় | নিশ্চয়। ঠিক |
| ন্যায়শীল | যথার্থবাদী |
| নির্দ্ধার্য্য | অবধার্য্য। স্থির করা |
| নিরন্ন | অন্নহীন |
| নিষ্ঠুর | নির্দ্দয় |
| নিরুদ্বেগ | ভাবনাশূন্য |
| নির্ব্বিঘ্ন | বিঘ্নরহিত |
| নীরদ | মেঘ |
| নবীন | নূতন |
| নিরূপিত | স্থিরীকৃত |
| নিস্তারিত | উদ্ধৃত |
| নিরপকারী | অনিষ্টকারী। উপকার না করা |
| নিঃসন্দেহ | সংশয়শূন্য |
| নিদ্রালু | নিদ্রাযুক্ত |

প

| | |
|---|---|
| প্রশংসা | সুখ্যাতি। অনুরাগ |

| | |
|---|---|
| প্রবিধান | মনোযোগ |
| প্রাজ্ঞতা | পাণ্ডিত্য |
| পুরঃসর | অগ্রসর |
| প্রতিমূর্ত্তি | প্রতিরূপ। তুল্যশরীর |
| পরিধেয় | পরিধানীয়। যাহা পরা যায় |
| পশুপালক | পশুরক্ষক। রাখাল |
| পর্য্যন্ত | অবধি। সীমা |
| পরিজন | পরিবার। স্ত্রীপুত্রাদি |
| পশুব্যবসায়ী | পশুজীবী |
| পূর্ণ | সমাপ্ত। সাঙ্গ। সায় |
| পৃষ্ঠ | পশ্চাদ্দেশ। পিঠ |
| পল্লব | নূতন পত্র |
| প্রস্তর | পাথর |
| প্রতিনিধি | প্রতিরূপ |
| প্রত্যেক | ভারৎ। সকল |
| প্রবৃত্ত | নিযুক্ত |
| প্রকাশিত | প্রকাশযুক্ত |
| প্রেক্ষণ | ভালরূপে দর্শন |
| পরিপাক | সুপাক |
| প্রত্যক্ষ | সাক্ষাৎ |
| পরিমাণ | মাপন |
| পাটন | বাণিজ্যস্থান |
| পূর্ব্বোক্ত | পূর্ব্বে কথিত |

| | |
|---|---|
| প্রভৃতি | ইত্যাদি |
| প্রবঞ্চক | বঞ্চনাকারী । ভাঁড়ায় |
| প্রীত | তৃপ্ত। তৃপ্তিযুক্ত |
| প্রমাণক | জ্ঞানজনক |
| পোষ্য | পুত্তিপাল্য |
| প্রেয়ক | প্রেয়কর্ত্তা |
| পরামনন | ধ্যান |
| পরীক্ষা | পরক |
| পামর | পাষণ্ড । মূঢ়। অতিমন্দ |
| পঙ্কজ | পদ্ম । পাঁকে জাত যে |
| প্রফুল্ল | প্রস্ফুটিত । প্রকাশিত |
| প্রচুর | বিস্তার । অনেক । যথেষ্ট |
| প্রস্তুত | উপস্থিত । তয়্যার |
| পরমাণু | অতিক্ষুদ্র |
| প্রেরক | প্রেরণকর্ত্তা |
| পুলকিতাঙ্গি | অঙ্গস্পন্দন |
| পারাবার | পার |
| পুরাতন | পুরাণ |
| পরামর্শক | পরামর্শকর্ত্তা |
| পুতিকা | পুঁইশাক |
| পুত | পবিত্র |
| পাষণ্ডতা | মূঢ়তা। মূর্খতা |
| প্রামাণ্য | প্রত্যয় |

| | |
|---|---|
| প্রসন্ন | সদয়। অনুগ্রহ |
| পক্ষপাত | অঙ্গাঙ্গী |
| প্রস্থাপিত | সংস্থাপিত। সংস্থান করা |
| প্রমাণদায়ী | প্রমাণদাতা। সাক্ষিদায়ী |
| পরিবর্জন | ত্যাগ |
| প্রেষিতকথা | প্রেরিতকথা |
| প্রথিত | খ্যাত |
| পূরক | পূরণকর্ত্তা |
| প্রবন্ধ | কল্পনাকথা। রচিয়া বলা |
| প্রদর্শক | দৃষ্টিকারী |
| প্রাধান্য | তুলনা |
| প্রথা | রীতি। ব্যবহার |
| পাথেয় | পথখরচ। রাহাখরচ |
| প্রাচীন | পুরাতন। বৃদ্ধ |
| প্রভু | ঈশ্বর। মনিব |
| প্রবাহ | ঢেও |
| প্রহার | নিগ্রহ |
| প্রগল্ভ | বাচাল। অনেক কয় যে |
| প্রেরণা | অনুজ্ঞা |
| পরিশ্রম | ক্লেশ |
| প্রচার | প্রকাশ। জানান |
| পারিপাট্য | পরিপাটী। উত্তম |
| পারগামী | পার গমনকর্ত্তা |

| | |
|---|---|
| পিতৃব্য | পিতৃভ্রাতা। খুড়া। জ্যেঠা |
| প্রতাপ | তেজ |
| পাপঘ্ন | পাপ নাশক। পাপ নষ্ট করে যে |
| প্রস্থান | গমন |
| পার্শ্বস্থ | পার্শ্ববর্ত্তী। পাশে থাকা |
| প্রধান | উত্তম। বড় |
| প্রসব | উৎপত্তি করা |
| পোষণ | প্রতিপালন |
| প্রত্যাদেশ | প্রত্যাজ্ঞা। স্বপ্নে ঈশ্বরের বাক্য |
| প্রণয় | প্রীতি। বিনয় |
| প্রলাপ | অনর্থক বাক্য |
| প্রতীক্ষা | অপেক্ষা |
| প্রতিভা | দীপ্তি |
| প্রবীন | নিপুন |
| পুরত | অগ্রত |
| প্রায়শ্চিত্ত | পাপক্ষয় |
| পক্ষাঘাত | রোগবিশেষ। একাঙ্গ অবশ |
| প্ররোচক | রুচি জন্মান |
| পরিহানি | ক্ষতি। নাশ |
| প্রতিযোগিতা | তুল্যতা |
| পরদার | পরস্ত্রী |
| পূর্ব্বনীয়া | পূর্ব্বাবধি |
| পুনর্জন্ম | জন্মান্তর |

| | |
|---|---|
| পৃথক্ত্ব | ভিন্নত্ব |
| প্রসাদগুণ | অনুগ্রহ |
| পাপাচ্ছাদিত | পাপে ঢাকা |
| পুরুষানুক্রম | পুরুষপরম্পরা |
| পার্শ্ব | পাশ |
| পুণ্যশ্লোক | পুণ্যবান্ |
| প্রভান্বিত | দীপ্তিযুক্ত |
| পুনরাগমন | প্রত্যাগমন |
| পরিশোধ | কর্জ্জশোধ |
| প্রতিপন্ন | সুখ্যাতিযুক্ত |
| পুরোহিত | পুরোধা। যাজক্রিয়াকর্ত্তা |
| পর্য্যঙ্ক | খাট। পালঙ্ক |
| পানীয়পাত্র | জলপাত্র |
| প্রকাশক | ব্যক্তকর্ত্তা |
| প্রতিপত্তি | সুখ্যাতি |
| পত্তন | গৃহ। বাড়ী। আরম্ভ |
| প্রস্তাবিত | প্রসঙ্গ |
| পুষ্করিণী | পুকুর |
| পূর্ব্বসঞ্চিত | পূর্ব্বকৃতসঞ্চয় |
| প্রতীপ | বিরোধি |
| প্রণয়িনী | প্রিয়তমা |
| পতঙ্গ | পোকা |
| পাকশালা | রন্ধনগৃহ |

| | |
|---|---|
| পর্য্যনা | যেন্ন |
| পতাকা | ধ্বজা |
| পতি | প্রভু। স্বামী |
| প্রেত | মৃত |
| পদাঘাত | লাথি মারা |
| প্রসারণ | বিস্তার |
| পরম | উৎকৃষ্ট। শ্রেষ্ঠ |
| প্রত্যাগমন | পুনরাগমন। আইসন |
| পশ্চিম | পশ্চিমদেশ। শেষ |
| প্রত্যহ | প্রতিদিন। রোজং |
| পণ | আশী কড়ামূল্য |
| প্রিয়তম | অতিশয় স্নেহপাত্র |
| পিতৃদ্বিষ্ট | পিতৃদ্বেষকর্ত্তা |
| পরমায়ু | আয়ু |
| পঙ্ক্তি | শ্রেণী। সারি |
| পাপক্ষমাকারী | অপরাধ মাপ করা |
| পাতিত্য | পাপ |
| পীড়িত | রোগযুক্ত |
| পিপাসান্বিত | তৃষ্ণাযুক্ত |

ব

| | |
|---|---|
| বিশ্বাস | প্রত্যয় |
| বিবেচনা | বিচার |
| ব্যক্ত | স্পষ্ট। প্রকাশ |

| | |
|---|---|
| বিশেষ | প্রভেদ |
| বাগ্জাল | প্রচুর বাক্য। অনেক কথা |
| বাচাল | বহুবাচক। অনেক বকা |
| বিপক্ষ | বৈরী। শত্রু |
| বিমুক্ত | বিমোচন |
| বিমুখ | পরাঙ্মুখ |
| বাহুল্য | বিস্তর। অনেক |
| বাষ্পজা | কুজ্ঝটিকা। কয়াসা |
| বিভিন্নভাব | ভিন্নজ্ঞান। পরজ্ঞান |
| বিকল্পভাব | দ্বিধাভাব। দ্বিধাজ্ঞান |
| বিবেকশূন্য | বিবেচনারহিত |
| বাদোপজীবী | বিবাদব্যবসায়ী |
| ব্রহ্মান্বেষ্টু | ঈশ্বরপথাকাঙ্ক্ষী |
| বিপরীত | ব্যতিক্রম। উলটা |
| বিধানুসার | বিধানক্রম |
| ব্যাপক | সর্ব্বত্রস্থায়ী |
| বহনার্থ | বহিবার জন্য |
| বংশ | জাতি |
| ব্যতিরেক | বিনা |
| বৃদ্ধিষ্ণু | বর্দ্ধনশীল। ভাগ্যবন্ত |
| ব্যবস্থা | বিধি। কর্ত্তব্যাকর্ত্তব্য স্থির |
| বর্দ্ধিত | বৃদ্ধিযুক্ত |
| বৃহৎ | বড় |

| | |
|---|---|
| বিরুদ্ধ | মন্দ। খারাপ |
| বাক্পটু | স্পষ্টবাক্য |
| বলী | বলবান |
| বিকল্পদৃক্ | বিকল্পদর্শী |
| বিঘটন | দুর্ঘটন। মন্দঘটন |
| ব্যুৎক্রম | ব্যতিক্রম। উলটা |
| বারিচর | জলচর। হংস |
| বারিবাহ | মেঘ। জলবহনকর্ত্তা |
| বালতা | বালকস্বভাব। ছেলেম |
| বিরাগী | রাগরহিত |
| বিষয়ার্থী | বিষয়াভিলাষী |
| ব্যভিচার | বিরুদ্ধকর্ম্ম |
| বিষাদী | ভাবিত। চিন্তাযুক্ত |
| বিনয়ী | বিনয়যুক্ত। স্তাবক |
| বিমনা | উন্মনা |
| বোধাধিকার | জ্ঞানাধিকার |
| বেতন | মজুরি |
| ব্যগ্রতা | ব্যস্ত |
| বৃথাযাপন | অনর্থককালক্ষেপণ |
| বাসনা | ইচ্ছা |
| বিবর্ণ | মলিন। বদ্ রঙ্গ |
| বাতুল | বায়ুগ্রস্ত |
| বিস্মৃত | ভুলিয়া যাওয়া |

| | |
|---|---|
| বৈগুণ্য | অঙ্গহানি |
| বলহীন | বীর্য্যরহিত |
| বানিজ্য | বেপেতি করা |
| বিষয় | সংসার। নিমিত্ত |
| বিষণ্ণ | দুঃখী |
| বিলাপ | রোদন |
| বাধিত | পীড়িত |
| বহিষ্কৃত | বহির্নির্গত। বাহির করা |
| বক্ষস্থল | ওরস্থল। বুক |
| বিস্তার | বিশেষ। ছড়ান অনেক |
| বিষঘ্ন | বিষঘাতক |
| বিবরণ | বিস্তার |
| বাদানুবাদ | পরস্পরবিবাদ |
| বিসম্বাদ | বিরোধ |
| বাগ্দত্ত | বাক্যদ্বারায় দেওয়া |
| বিশ্রাম | বিরাম |
| বিক্রম | পরাক্রম |
| ব্যাকুল | অন্যচিত্ত। ব্যস্ত |
| ব্যাপার | ক্রিয়া। কর্ম্ম |
| বিফল | অফল। নিষ্ফল |
| বিবিধ | নানাপ্রকার |
| বিপাক | বিপদ্। আপৎ |
| বশীভূত | আয়ত্তীকৃত। বশে থাকা বা |

| | |
|---|---|
| বিভূষিত | ভূষাযুক্ত। অলঙ্কারযুক্ত |
| বিম্ব | প্রতিবিম্ব। সাদৃশ্য |
| বর্ত্তুল | বাঁটুল |
| বিস্তৃত | বিস্তার |
| বিলগ্ন | সংলগ্ন। সম্বন্ধ |
| বিলাপকারী | রোদনকারী |
| বীণাবাদক | বীণাবাজানকর্ত্তা |
| ব্যবধান | যবো আটক |
| বন্যা | বান |
| বক্রতা | কুটিলতা |
| বন্ধুতা | মিত্রতা |
| বেশ্যাবৃত্তি | বেশ্যাকর্ম্ম |
| বাহক | প্রোটক। বহনকর্ত্তা |

ভ

| | |
|---|---|
| ভৎর্সনা | তিরস্কার। অনুযোগ |
| ভবিতব্য | ভাবী। হইবেক যে |
| ভেতব্য | ভয়যোগ্য। ভয়ের বিষয় |
| ভূমিষ্ঠ | পৃথিবীস্থ |
| ভিন্ন | অন্য |
| ভ্রূণহা | গর্ভস্থবালকহত্যাকর্ত্তা |
| ভূভুজ্ | রাজা |
| ভীরু | ভয়ানক। ভয়জনক |
| ভোগী | সুখী। সর্প |

| | |
|---|---|
| ভূষা | অলঙ্কার |
| ভ্রান্তি | মনের ভ্রম |
| ভ্রমণ | ঘুরে বেড়ান |
| ভক্ষ্য | খাদ্যদ্রব্য |
| ভর্ত্তৃ | ভরণকর্ত্তা |
| ভাবিনী | ভাবনাযুক্তা |
| ভজনা | প্রার্থনা। আরাধনা |
| ভৃত্য | নফর। চাকর |
| ভবিষ্যদ্বক্তা | গণক। ভাবিকথক |
| ভাবক | ভাবনাকর্ত্তা |
| ভ্রমতঃ | ভ্রমণহেতুক |
| ভেদক | পৃথক্‌কারী |
| ভেদাভেদ | পৃথক্‌পৃথক্ |
| ভারগ্রস্ত | ভারাক্রান্ত |
| ভয়ানক | ভয়জনক |
| | ম |
| মিত্রদ্রোহী | বন্ধুহন্তা |
| মূলীভূত | কারণ |
| মোহিনীবিদ্যা | মুগ্ধকারিণীবিদ্যা |
| মনস্থ | মনস্থায়ী |
| মনন | আরাধন |
| মারণ | মারা |
| মিথ্যাবাদী | মিথ্যাবক্তা |

| | |
|---|---|
| মাধুর্য্য | মধুরতা। মিষ্ট |
| মনোদুঃখার্ত্ত | মনোদুঃখে পীড়িত |
| মনুষ্যব্যবহারা | মানুষরীতি |
| মহৌষধি | উত্তম ঔষধ |
| মহীপতি | পৃথিবীপতি। রাজা |
| মন্দগতি | অল্পগতি |
| মহাপদস্থ | উত্তমপদস্থায়ী |
| মত্ততা | মত্তওয়ালা |
| মহাপাপিষ্ঠ | অতিপাপী |
| মাহাত্ম্যশূন্য | মহিমারহিত |
| মনোহরমূর্ত্তি | সুন্দরমূর্ত্তি |
| মুকুট | টোপর |
| মাতঙ্গী | হস্তিনী |
| মান্য | পূজ্য। মানযুক্ত |
| মীমাংসা | বিচার। পরিচ্ছেদ |
| মূর্চ্ছা | মোহ। অজ্ঞান |
| মূর্ত্তি | শরীর |
| ম্রিয়মাণ | মৃতপ্রায় |
| মর্দ্দন | মাখান |
| মোহিত | মোহযুক্ত |
| মায়া | দয়া |
| মনোযোগ | মনোনিবেশ। মন দেওন |
| মাঙ্গলিক | শুভকর্ম্ম |

| | |
|---|---|
| মধ্যবর্ত্তী | মধ্যস্থ। মাঝে থাকা |
| মিনতি | বিনয়। স্তব |
| মণ্ডল | সমূহ। অনেক |
| মিশ্রিত | মিলিত। একত্রীকরণ। মিশান |
| মহামারী | অত্যন্তমরক |
| মেরু | সুমেরুপর্ব্বত |
| মগ্ন | একচিত্ত |
| মার্জ্জক | শোধক। শুদ্ধিকর্ত্তা |
| মহত্তর | অতিমহৎ |
| মনস্বী | প্রশস্তমনা |
| মৃত্যুকল্প | মৃতপ্রায় |
| মিত | অল্প। পরিমিত |
| মর্ম্মান্তিক | মর্ম্মপীড়া |
| ম্লানবক্ত্র | শুষ্কমুখ |
| মতান্তর | ভিন্নমত। দোসরা মত |
| মতি | বুদ্ধি |
| মুগ্ধ | মোহযুক্ত |
| মূর্খতা | অপাণ্ডিত্য |
| মমতা | মমত্ব। স্নেহ |
| মাৎসর্য্য | অহঙ্কার। দ্বেষ |
| মাহাত্ম্য | মহিমা। গৌরব |
| মুহুর্ম্মুহু | বারবার |

| | |
|---|---|
| মার্জনী | শোধনী। মাজিরা |
| মর্ম্মর | পত্রাদির শব্দ |
| মৌন | বাক্যরহিত |
| মহোন্নতি | মহাবৃদ্ধি |
| মোচন | ত্যাগ |

য

| | |
|---|---|
| যথাযুক্ত | যথাযোগ্য |
| যশস্বী | যশোযুক্ত। সুখ্যাত |
| যুথবদ্ধ | সমূহবদ্ধ। অনেকবদ্ধ |
| যশস্কর | সুখ্যাতিকর |
| যথেচ্ছ | যথাবাঞ্ছিত। যেমন ইচ্ছা |
| যথার্থ | স্বরূপ। প্রকৃত |
| যাজক | পুরোহিত |
| যোগী | তপস্বী। মুনি |
| যন্ত্রণা | যাতনা। দুঃখ |
| যোগ্যতা | ক্ষমতা। শক্তি |
| যত্ন | চেষ্টা। উল্লাস |
| যাতায়াত | গমনাগমন |
| যোদ্ধা | যুদ্ধকর্ত্তা |
| যাজকতাকরণ | যাজক্রিয়াকরণ |
| যোজন | চারি ক্রোশ |
| যাথার্থিক | প্রকৃতলোক |
| যাজ্ঞিক | যাগকর্ত্তা |

র

| | |
|---|---|
| রোপণ | স্থাপন। রোওয়া |
| রচিত | কল্পিত |
| রসনা | জিহ্বা |
| রুচিতা | প্রবৃত্তি |
| রোচক | রুচিজনক |
| রহস্য | আশ্চর্য্য। গুহ্য |
| রিক্তহস্ত | সুদু হাত |
| রিপুগণ | শত্রুগণ |
| রম্যতা | মনোহর |
| রোষান্বিত | ক্রোধযুক্ত |
| রোধ | আটক |
| রত্ন | বহুমূল্য দ্রব্য |
| রাত্রি | রাইত |
| রুদ্ধ | বদ্ধ। আটক |
| রঞ্জন | রাঙ্গা |
| রুষ্ট | ক্রোধযুক্ত |
| রোচক | রুচিজনক দ্রব্য |
| রোষ | ক্রোধ |
| রৌরব | নরক |
| রোধ | আটক। ঘেরা |
| রাজস্ব | রাজকর। খাজানা |

| | |
|---|---|
| রজনী | রাত্রি |
| রক্ষক | রক্ষাকর্ত্তা। পালনকর্ত্তা |
| রণ | যুদ্ধ। লড়াই |
| রুধির | রক্ত |

ল

| | |
|---|---|
| লাভদ্বেষক | লাভের দ্বেষকর্ত্তা |
| লোপ্যতেজোহেতু | লুপ্ততেজের কারণ |
| লালস | লোভ |
| লূন | ছিন্ন। ছেদন |
| লূতা | মাকসা |
| লিঙ্গিত | চিহ্নিত। দাগ। নিসানা |
| লোষ্ট্র | ডেলা |
| লেহ | চোষা |
| লিপ্সা | বাঞ্ছা। ইচ্ছা |
| লীন | মিশ্রিত। মিশান |
| লেখনী | কলম |
| লোভী | লোভযুক্ত |
| লাঞ্ছনা | ভর্ৎসনা। তিরস্কার |
| লুব্ধ | লোভ |
| লয় | বিনাশ |
| লাঙ্গুল | লেজ |
| লড্ডুকা | লাড়ু |
| লাবণ্য | সৌন্দর্য্য। রূপ |

| | |
|---|---|
| লীলা | ক্রীড়া। খেলা |
| লজ্জা | লাজ। সরম |
| লোমহর্ষ | লোমাঞ্চ |
| লেখা | রেখা |
| লোপ | নষ্ট। বিনাশ |
| লাভান্বেষী | লাভান্বেষণকর্ত্তা |
| লৌহ | লুয়া |
| লোকত্রয় | ত্রিভুবন |
| | শ |
| শগুলা | ধারা। রকম। তর |
| শ্রদ্ধান্বিত | শ্রদ্ধাযুক্ত |
| শশ্বৎ | নিরন্তর। সর্ব্বদা |
| শম | উপশম। আরাম |
| শাস্তা | শাসনকর্ত্তা |
| শমন | যম |
| শোভাঞ্জন | সজিনা |
| শোভনীয় | শোভা পাওয়া |
| শস্ত্র | অস্ত্র। ছুরিপ্রভৃতি |
| শক্তি | সামর্থ্য। বল |
| শাখা | ডাল |
| শাঙ্কেতিক | ইশারা |
| শাস্ত্রোপদিষ্ট | শাস্ত্রে কথিত |
| পূর্ব্বোক্ত | পূর্ব্বে কথিত |

| | |
|---|---|
| শক্ত্যনুরূপ | যথাশক্তি |
| শৈথিল্য | শিথিলতা। আলস্য |
| শিখর | পর্ব্বতের মস্তক |
| শোচন | শোককরা |
| শুষ্কতা | নীরস। শুখান |
| শোধন | শুদ্ধকরা |
| শক্তিতঃ | শক্তিহেতুক |
| শ্রবণ | কর্ণ। কান |
| শোকাকুল | শোকযুক্ত |
| শান্তিকর | স্বস্তিকর |
| শিশুগণ | বালক সমূহ |
| শুদ্ধাচার | পবিত্রব্যবহার |
| শিক্ষাপূর্ব্বক | অভ্যাস করিয়া |
| শত্রুগ্রস্ত | শত্রুহস্তে পতিত |
| শ্লাঘারহিত | স্পর্দ্ধাশূন্য |
| শুভাভিনন্দি | মঙ্গলাকাঙ্ক্ষী |
| শোকভঞ্জন | শোকনিবারণ |
| শাসন | দমন |
| শুদ্ধীকৃত | পবিত্র হওয়া |
| শরণাপন্ন | শরণাগত। শরণ লওয়া |
| শুণ্ডি | শুণ্ডা |
| শাসিতপদ | শাসিতস্থান |
| শীতক্রিয়া | স্নিগ্ধকর্ম্ম করা |

| | |
|---|---|
| শীলতা | শিষ্টতা |
| শাসক | শাসনকর্ত্তা |
| শ্লেষ | বিদ্রূপ। ব্যঙ্গকরা |
| শঙ্খধ্বনি | শঙ্খশব্দ |
| শঙ্খকারক | শাঁখারি |
| শিষ্য | ছাত্র। পড়ুয়া |
| শেষ | অবশেষ। সাঙ্গ |
| | ষ |
| ষণ্ড | নপুংসক। ষাঁড় |
| ষোড়শ | ষোল। সংখ্যা |
| ষষ্ঠি | ষাইট |
| | স |
| সচেষ্ট | উদ্যোগী। চেষ্টাযুক্ত |
| সমীহা | সম্ভ্রম |
| সৃষ্টি | উৎপাদন |
| সর্ব্বথা | সর্ব্বপ্রকার |
| স্বচ্ছতা | নির্ম্মলতা। মলরহিত |
| সামঞ্জস্য | ঐক্য। মিল। পরিমিত |
| সাত্বিক | ঈশ্বরারাধনকর্ত্তা |
| সাংঘাতিক | আত্যন্তিক |
| সান্নিধ্য | নিকট |
| স্রোতোধারা | জলধারা |
| সদ্গুণ | ভালগুণ |

| | |
|---|---|
| সর্ব্বাপৎ | সকল বিপৎ |
| সৌহার্দ্দ্য | মিত্রতা। বন্ধুতা |
| সঞ্চার | প্রথম। সুরু |
| সম্ভাবনা | সম্মতি। অভিপ্রায় |
| সর্ব্বসাধারণ | একত্র সকল |
| স্বীকৃত | স্বীকার |
| সৌরাষ্ট্র | দেশ |
| সময়ান্তর | অন্যসময় |
| স্থৈর্য্য | স্থিরতা। অলড় |
| সামর্থ্য | শক্তি। বল |
| সংসর্গ | সম্পর্ক |
| সন্তপ্ত | ওতপ্ত |
| সম্মতি | অনুমতি |
| সৃষ্ট্যাদি | সৃষ্টিপ্রভৃতি |
| সংকল্প | মনের ইচ্ছা |
| সন্দিগ্ধ | সংশয় |
| স্বকর্ম্ম | আপন কর্ম্ম |
| সর্ব্বস্ব | সকল ধন |
| স্তম্ভক | নিশ্বাসবন্ধকর্ত্তা |
| সেবন | সেবা |
| সুবোধ | বুদ্ধিমান |
| সত্ত্বজ্ঞান | যথার্থজ্ঞান |
| সহিষ্ণুতা | সহ্যতা। বর্দাস্ত |

| | |
|---|---|
| সৃষ্টিকর্ত্তা | ঈশ্বর |
| সর্ব্বত্রব্যাপী | সর্ব্বত্রস্থায়ী |
| সর্ব্বশক্তি | সকলসমর্থ |
| স্বনির্ম্মিত | আপনার নির্ম্মাণ |
| সাহসিক | নির্ভয় |
| সুচতুর | অতিনিপুণ |
| সাধারণ | সকল |
| সদ্বাচক | ভাল কথক |
| সাধুস্বভাব | ভাল স্বভাব |
| সর্ব্বোপরিস্থ | সকলের ওপর থাকা |
| স্বভাবদুষ্ট | কুধারা। মন্দস্বভাব |
| সম্প্রীতিভাব | মিত্রভাব |
| সাক্ষাৎপ্রাপ্তি | দেখ্যে পাওয়া |
| সাধ্যমত | যথাশক্তিমত |
| সাধনাকারী | ওপাসনাকারী |
| সর্ব্বশরীরময় | সকলশরীরথাকা |
| সূর্য্যোদয় | সূর্য্যপ্রকাশ |
| সুতরাং | যথার্থ |
| সমাক্ | সকল |
| সংস্কার | শুদ্ধি। পবিত্রতা |
| সর্গ | সৃষ্টি |
| সর্ব্বগ্রাস | সকলগ্রাস। সকল খাওয়া |
| সূত্রধর | টেকো। নাটাই |

| | |
|---|---|
| সূচক | জ্ঞাপক। জানান |
| স্বাস্থ্য | সুস্থতা। ভাল থাকা |
| সমুচিত | যোগ্য |
| সিদ্ধান্ত | ফলিতার্থ |
| সহকারী | সহায় |
| সমাধ্যায়ী | সতীর্থ। একত্র অধ্যয়নকর্ত্তা |
| সম্পর্কীয় | আত্মীয় |
| স্বাশ্রয় | আপন আশ্রয় |
| সর্জ্জক | সৃষ্টিকর্ত্তা |
| সদাচার | ভাল ব্যবহার |
| সমাহিত | সমাধান। গৃহণ |
| সবয়ঃ | সমানবয়স্ক। একবয়স্ক |
| সাহিত্য | মিল |
| সৌরভ | সুগন্ধি |
| স্নিগ্ধতা | শীতল। ঠাণ্ডা |
| স্বাতন্ত্র্যহীন | পরাধীন |
| স্বাভাবিক | স্বভাবসিদ্ধ |
| সৌজন্য | সুজনতা। শিষ্টতা |
| সমৃদ্ধি | সম্পত্তি |
| সন্নিকর্ষ | নিকট |
| সংহার | বিনাশ |
| সতীর্থ | একগুরু। একত্র পাঠকর্ত্তা |
| সূত্রধারী | ছুতার |

| | |
|---|---|
| সংগোপন | লুকান |
| সীমা | আয়তন। পর্য্যন্ত |
| সুলক্ষণ | ভাল চিহ্ন |
| সাধনা | ভজনা |
| সামীপ্য | সমীপ নিকট |
| সংহিতা | গ্রন্থ |
| স্ববশ | আপনার বশ |
| সন্ধি | মিল। একযোগ |
| সায় | সমাপ্ত। সাঙ্গ |
| সায়ংকাল | সন্ধ্যাকাল |
| সবল | বলবান্ |
| সভাসৎ | সভাস্থলোক |
| সচ্চরিত্র | সদন্তঃকরণ। ভাল মন |
| সম্পন্ন | ধনী। নিষ্পন্ন |
| সগোত্র | একগোত্র |
| সাকল্য | সকল |
| সবীর্য্যাক্রান্ত | একবীর্য্যাক্রান্ত |
| সন্ততি | সন্তান। বিস্তার |
| সখ্য | মিত্রতা। দোস্তালি |
| সর্ব্বগুণান্বিত | সকলগুণযুক্ত |
| সদালাপ | ইষ্টালাপ |

| | |
|---|---|
| স্বধর্ম্মবর্জিত | আপনার ধর্ম্মত্যাগী |
| স্বশক্ত্যনুসার | আপন শক্ত্যানুক্রম |
| সৎপথগামী | কুপথ গমনরহিত |
| সোপান | সিঁড়ি |
| সমাধি | ঈশ্বরের ধ্যান |
| স্বচ্ছন্দমনা | হর্ষান্তঃকরণ |
| সারোদ্ধার | যথার্থ। স্থির |
| সম্মিলিত | মিলিত |
| স্বয়ংজীবী | আপনি বাঁচ্যে থাকা |
| সংযমন | হবিষ্য ভোজন |
| সুকৃতি | পুণ্য |
| সঙ্কট | বিপত্তি। আপৎ |
| সাহায্য | সহকারিতা |
| সম্পর্ক | সম্বন্ধ |
| সারল্য | সরলতা। অবক্রতা |
| স্বাধীন | আপনার বশীভূত |
| সজাতীয় | এক জাতীয় |
| সম্বরণ | আচ্ছাদন। ঢাকন |
| স্বস্ত্যয়ন | মঙ্গলার্থ ঈশ্বরপূজা |
| সমুদায় | সকল। সমূহ |
| সম্পাদিত | নিষ্পাদিত |
| সম্পত্তি | ঐশ্বর্য্য। ধন |
| সাক্ষাৎ | প্রত্যক্ষ। সম্মুখ |

| | |
|---|---|
| সংগ্রহ | গ্রহণ। আয়োজন |
| সহবর্ত্তী | একত্র থাকা |
| স্বেচ্ছা | স্বকীয় ইচ্ছা। আপনার ইচ্ছা |
| স্কন্ধ | কাঁধ |
| স্মরণীয় | স্মরণ করা |
| সর্ব্বাধিষ্ঠিত | সর্ব্বত্রস্থায়ী ঈশ্বর |

হ

| | |
|---|---|
| হঠাৎ | অকস্মাৎ |
| হেয় | নিন্দনীয়। ঘৃণার বিষয় |
| হরণ | অপহরণ। চুরি করা |
| হলাহল | কালকূট বিষ |
| হিতে রত | ভালকর্ম্মে প্রবৃত্ত |
| হীনতা | খাট |
| হোমীয় দ্রব্য | হোমের সামগ্রী |
| হিতৈষী | হিতান্বেষণকর্ত্তা |
| হীনাঙ্গ | অঙ্গহীন |
| হরিণাক্ষ | হরিণলোচন |
| হোতা | হোমকর্ত্তা |
| হত | নষ্ট |
| হর্ষ | আহ্লাদ |
| হেয়জ্ঞান | তুচ্ছবুদ্ধি |

ক্ষ

| | |
|---|---|
| ক্ষেমঙ্কর | শুভকর। মঙ্গলকর |

| | |
|---|---|
| ক্ষৌণী | পৃথিবী |
| ক্ষতি | বিনাশ। অপচয় |
| ক্ষান্ত | ক্ষমাযুক্ত |
| ক্ষোভ | কুণ্ণতা |
| ক্ষৌর | ক্ষুরি কর্ম্ম। কামান |
| ক্ষুণ্ণ | মালিন্যযুক্ত |
| ক্ষুদ্র | ছোট |
| ক্ষীণবুদ্ধি | বিনষ্টবুদ্ধি। অল্প জ্ঞান |
| ক্ষরণ | পতন |
| ক্ষুধা | ভোজনেচ্ছা |
| ক্ষমাবান | ক্ষমাযুক্ত |